भारत – वियतनाम संबंध

50 वर्ष से भी अधिक समय पहले जब प्रधानमंत्री नेहरू तथा राष्ट्रपति हो ची मिन्ह द्वारा भारत – वियतनाम संबंधों की नींव रखी गई थी तब से भारत – वियतनाम संबंध असाधारण रूप से मधुर एवं मैत्रीपूर्ण हैं। परंपरागत रूप से घनिष्ठ एवं मधुर संबंध का ऐतिहासिक आधार विदेशी शासन से आजादी और स्वतंत्रता के लिए राष्ट्रीय संघर्ष के लिए सामान्य संघर्ष पर आधारित है। 1954 में फ्रांस के खिलाफ वियतनाम की जीत के बाद वियतनाम का दौरा करने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू सबसे पहले आगंतुकों में से एक थे। फरवरी 1958 में राष्ट्रपति हो ची मिन्ह ने राजकीय यात्रा पर भारत का दौरा किया। राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद ने 1959 में वियतनाम का दौरा किया था। हाल के वर्षों में, राजनीतिक संपर्क सुदृढ़ हुए हैं जो दोनों देशों के नेताओं द्वारा उच्च स्तर पर अनेक यात्राओं से परिलक्षित होता है। व्यापार एवं आर्थिक संबंध निरंतर बढ़ रहे हैं। 'एक्ट ईस्ट' के तहत भारत के बल तथा इस क्षेत्र के अंदर तथा भारत के साथ वियतनाम की बढ़ती भागीदारी से अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं। दक्षिण पूर्व एशिया में वियतनाम हमारा एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय साझेदार है। संयुक्त राष्ट्र एवं डब्ल्यू टी ओ के अलावा आसियान, पूर्वी एशिया शिखर बैठक, मेकांग – गंगा सहयोग, एशिया यूरोप बैठक (असेम) जैसे विभिन्न क्षेत्रीय मंचों में भारत और वियतनाम आपस में निकटता से सहयोग करते हैं। वियतनाम भारत के सी एल एम वी साझेदारों में भी एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

दोनों देशों द्वारा की गई उच्च स्तरीय यात्राएं :

हाल के वर्षों में दोनों देशों की ओर से उच्च स्तर पर अनेक यात्राएं हुई हैं। वियतनाम की ओर से इन यात्राओं में निम्नलिखित शामिल हैं : वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव नोंग डुक मान्ह ने 2003 में भारत का दौरा किया, प्रधानमंत्री श्री नगुएन टान डंग ने 2007 में भारत का दौरा किया, उप राष्ट्रपति श्री नगुएन थी डोन ने 2009 में भारत का दौरा किया तथा वियतनाम की राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष श्री नगुएन फु त्रोंग ने 2010 में भारत का दौरा किया, राष्ट्रपति श्री त्रांग टान सांग ने अक्टूबर, 2011 में भारत का दौरा किया, वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव श्री नगुए फु त्रोंग ने नवंबर, 2013 में भारत का दौरा किया तथा प्रधानमंत्री नगुएन टान डंग ने अक्टूबर, 2013 में भारत का दौरा किया। भारत की ओर से जो उच्च स्तरीय यात्राएं की गई हैं उनमें निम्नलिखित शामिल हैं : प्रधानमंत्री श्री अटलबिहारी वाजपेयी ने 2001 में, लोक सभा अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी ने मार्च 2007 में, राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटील ने नवंबर 2008 में, प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने अक्टूबर 2010 में, लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार ने मई 2011 में और उप राष्ट्रपति श्री मोहम्मद हामिद अंसारी ने 2013 में वियतनाम का दौरा किया। सितंबर 2014 में भारत के राष्ट्रपति महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी ने हनोई तथा होची मिन्ह शहर का दौरा किया। वियतनाम के प्रधानमंत्री महामहिम श्री नगूयेन तान डुंग ने अक्टूबर 2014 में भारत गणराज्य का राजकीय दौरा किया। इस यात्रा के दौरान, निम्नलिखित करारों पर हस्ताक्षर किए गए :

(i) नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना पर एम ओ यू; (ii) वियतनाम के क्वांग नांग प्रांत में माई सन के विश्व विरासत स्थल के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार पर एम ओ यू; (iii) दूरसंचार विश्वविद्यालय में अंग्रेजी भाषा एवं सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने के लिए एम ओ यू; (iv) सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम 2015-17; (v) श्रव्य - दृश्य कार्यक्रमों के विनिमय पर एम ओ यू; (vi) ओ वी एल एवं पेट्रो वियतनाम के बीच एम ओ यू; और (vii) ओ एन जी सी एवं पेट्रो वियतनाम के बीच एम ओ यू।

पिछले कुछ वर्षों में मंत्रियों के स्तर पर आदान – प्रदान के तहत निम्नलिखित शामिल हैं : (i) विदेश मंत्री श्री एस एम कृष्णा ने व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय सहयोग पर भारत – वियतनाम संयुक्त आयोग की 14वीं बैठक के लिए सितंबर, 2011 में हनोई का दौरा किया। (ii) विदेश राज्य मंत्री श्री ई अहमद ने पूर्ण राजनयिक संबंधों की स्थापना की 40वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'भारत - वियतनाम मैत्री वर्ष' के उद्घाटन के लिए जनवरी 2012 में वियतनाम का दौरा किया; (iii) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री आनंद शर्मा ने मार्च 2012 में वियतनाम का दौरा किया; (iv) कृषि मंत्री श्री शरद पवार ने अक्टूबर 2012 में वियतनाम का दौरा किया; (v) पर्यटन राज्य मंत्री डा. के चिरंजीवी ने जनवरी 2013 में वियतनाम का दौरा किया; (vi) वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री डा. डी पुरनदेश्वरी ने अप्रैल 2013 में हो ची मिन्ह शहर का दौरा किया; (vii) जहाजरानी मंत्री श्री जी के वासन ने मई 2013 में वियतनाम का दौरा किया जिसके दौरान द्विपक्षीय समुद्री जहाजरानी करार पर हस्ताक्षर किए गए। भारत के विदेश मंत्री ने अगस्त 2014 में वियतनाम का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने वियतनाम के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री श्री फाम बिन्ह मिन्ह के साथ शिष्टमंडल स्तरीय वार्ता की। आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय तथा बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हुई। मंत्री महोदया ने 25 अगस्त 2014 को राष्ट्रपति ट्रांग टान सांग

तथा प्रधानमंत्री नगुयेन टान डुंग से भी मुलाकात की। दोनों पक्ष भारत एवं वियतनाम के बीच सामरिक साझेदारी को और सुदृढ़ एवं गहन करने के लिए राजी हुए।

वियतनाम की ओर से, मंत्री स्तर पर यात्राओं के तहत निम्नलिखित शामिल हैं : (i) मार्च - अप्रैल 2012 में उप प्रधानमंत्री श्री नगूयेन थियेन नहान की भारत यात्रा; (ii) उप वित्त मंत्री श्री ट्रान वान हियू की अगस्त 2012 में भारत यात्रा; (iii) उप प्रधानमंत्री श्री वू वान निन्ह की जनवरी 2013 में भारत यात्रा; (iv) सूचना एवं संचार मंत्री श्री नगूयेन बाक सन की जुलाई 2013 में भारत यात्रा; (v) विदेश मंत्री श्री फाम बिन्ह मिन्ह की संयुक्त आयोग की 15वीं बैठक के लिए जुलाई 2013 में भारत यात्रा; (vi) सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री जनरल ट्रान डाइ क्वांग ने नवंबर, 2013 में और स्वास्थ्य मंत्री डा. नगुएन थि किम टीन ने दिसंबर, 2013 में भारत का दौरा किया। बहुपक्षीय शिखर बैठकों के दौरान अतिरिक्त समय में दोनों देशों के नेताओं के बीच नियमित रूप से बैठकें हुई हैं। हाल ही में वियतनाम फादरलैंड फ्रंट के अध्यक्ष श्री नगुयेन थियेन न्हान ने मार्च 2015 में भारत का दौरा किया। रक्षा मंत्री जनरल फुंग क्वांग थान्ह ने 23 से 26 मई 2015 के दौरान भारत का दौरा किया।

द्विपक्षीय आदान – प्रदान के लिए संस्थानिक तंत्र

विदेश मंत्रियों के स्तर पर संयुक्त आयोग बैठक तथा सचिव स्तर पर विदेश कार्यालय परामर्श (एफ ओ सी) तथा सामरिक वार्ता विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के लिए वृहद रूपरेखा प्रदान करती है। रक्षा सचिवों के स्तर पर एक वार्षिक सुरक्षा बैठक होती है तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर एक संयुक्त समिति का गठन किया गया है जिसकी बैठक आवधिक आधार पर होती है। 2012 में शैक्षिक आदान प्रदान पर भारत - वियतनाम संयुक्त कार्यसमूह का गठन किया गया तथा नवंबर 2013 में व्यापार पर एक उप समिति का गठन किया गया। उप आयोग की दूसरी बैठक 19 और 20 जनवरी 2015 को हनोई में हुई। इस यात्रा के दौरान वाणिज्य सचिव के नेतृत्व में एक आधिकारिक एवं कारोबारी शिष्टमंडल ने हनोई एवं एच सी एम सी का दौरा किया।

आर्थिक एवं वाणिजयिक संबंध

वियतनाम के साथ भारत के संबंधों की खासियत यह है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं वाणिज्यिक साझेदारी बढ़ रही है। आज भारत वियतनाम के शीर्ष 10 व्यापार साझेदारों में से एक है। भारत के व्यापार साझेदारों में वियतनाम 28वें स्थान पर है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और वियतनाम के बीच द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर वृद्धि हो रही है। वियतनाम के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2013 में कुल व्यापार का मूल्य 5.23 बिलियन अमरीकी डालर के आसपास पहुंच गया जो पिछले साल की तुलना में 32.8 प्रतिशत की वृद्धि है। 2014 में कुल व्यापार का मूल्य 5.60 बिलियन अमरीकी डालर था (भारत के निर्यात का मूल्य 3.1 बिलियन अमरीकी डालर और आयात का मूल्य 2.5 बिलियन अमरीकी डालर था)। वियतनाम के सामान्य सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से अक्टूबर 2015 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 4.28 बिलियन अमरीकी डालर था जिसमें भारत से 2.25 बिलियन अमरीकी डालर मूल्य का निर्यात और वियतनाम से 2.07 बिलियन मूल्य का निर्यात शामिल है। तथापि यदि अस्थायी आयात की वस्तुओं को शामिल कर लिया जाए तो भारत की ओर से प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार 2014-15 में व्यापार का कुल मूल्य 9.2 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक है। पार्टी के महासचिव महामहिम नगूयेन फू ट्रांग की नवंबर 2013 में भारत यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने व्यापार लक्ष्य को 2015 तक 7 बिलियन अमरीकी डालर और 2020 तक 15 बिलियन अमरीकी डालर के रूप में संशोधित किया। हम इस लक्ष्य को आसानी से प्राप्त करने के मार्ग पर अच्छी तरह चल रहे हैं। वियतनाम भारतीय कंपनियों के लिए निवेश का एक आकर्षक गंतव्य बना हुआ है। वियतनाम में भारत 27वें सबसे बड़े निवेशक के रूप में है तथा 111 परियोजनाएं संचालित कर रहा है जिनकी पंजीकृत पूंजी 530 मिलियन अमरीकी डालर है। तथापि तीसरे देशों से भारतीय कंपनियों द्वारा निवेशों को भी यदि शामिल कर लिया जाए तो भारत की अनुमानित कुल निवेश पूंजी 1 बिलियन अमरीकी डालर के आंकड़े को पार कर जाएगी। भारतीय कंपनियां तेल एवं गैस की खोज, खनिज की खोज और प्रसंस्करण, चीनी विनिर्माण, कृषि रसायन, आईटी और कृषि प्रसंस्करण आदि जैसे क्षेत्रों में निवेश कर रही हैं। इसके अलावा टाटा ग्रुप को सॉक ट्रांग प्रांत में थर्मल टावर प्लांट में 2.1 बिलियन अमरीकी डालर की एक परियोजना आवंटित की गई है। भारत में वियतनाम की 3 निवेश परियोजनाएं हैं जिनका कुल मूल्य 26 मिलियन अमरीकी डालर है। ओ एन जी सी विदेश लिमिटेड (ओ वी एल), एन आई वी एल लिमिटेड, के सी पी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नगोन कॉफी मैन्यूफैक्चरिंग, टेक महिंद्रा, सी सी एल प्रमुख भारतीय निवेशकों में शामिल हैं।

सीधी उड़ान तथा भारतीय बैंक : पार्टी महासचिव महामहिम श्री नगूयेन फू ट्रांग की भारत यात्रा के दौरान नवंबर 2013 में हवाई सेवा करार पर हस्ताक्षर किए गए। जेट एयरवेज ने 5 नवंबर 2014 से हो ची मिन्ह शहर तथा दिल्ली / मुंबई के बीच कोड शेयरिंग सीधी उड़ान शुरू की है। 2007 से दो भारतीय बैंकों अर्थात बैंक ऑफ इंडिया तथा इंडियन ओवरसीज बैंक ने वियतनाम में अपने प्रतिनिधि कार्यालयों को प्रचालित किया है। बैंक ऑफ इंडिया को हो ची मिन्ह शहर में अपनी शाखा खोलने के लिए लाइसेंस प्रदान किया गया है। शीघ्र ही हो ची मिन्ह शहर में बैंक ऑफ इंडिया की शाखा काम करना शुरू कर देगी।

रक्षा सहयोग :
विशेष रूप से नेवी के क्षेत्र में वियतनाम के सशस्त्र बलों की क्षमता निर्मित करने के लिए भारतीय सशस्त्र बल सहयोग कर रहे हैं। बल दिए जाने वाले क्षेत्रों में प्रशिक्षण, मरम्मत एवं अनुरक्षण सहायता, थिंक टैंक के बीच आदान – प्रदान, अध्ययन दौरा तथा पोत यात्रा शामिल हैं। चार भारतीय नौसेना पोतों, जिसमें देशज स्तर पर निर्मित आई एन एस सतपुड़ा तथा फ्लीट टैंकर आई एन एस शक्ति तथा लगभग 1200 अधिकारियों एवं नाविकों का दल शामिल था, ने 6 से 10 जून, 2013 के दौरान दनांग का दौरा किया। हाल ही में तट रक्षक पोत सारंग ने 26 से 30 अगस्त 2015 के दौरान हो ची मिन्ह शहर का दौरा किया।

सहायता एवं क्षमता निर्माण

ऋण सहायता : वर्ष 1976 से, रियायती शर्तों एवं नियमों पर वियतनाम को अनेक ऋण सहायता की पेशकश कर रहा है। अब तक भारत ने वियतनाम को 165 मिलियन अमरीकी डालर से अधिक मूल्य की 17 ऋण सहायता प्रदान की है। भारत द्वारा प्रदान की गई पिछली प्रमुख ऋण सहायता जुलाई 2013 में नाम ट्राइ-IV जल विद्युत परियोजना तथा बिन्ह बो पंपिंग स्टेशन के निष्पादन के लिए 19.5 मिलियन अमरीकी डालर के लिए थी। इसके अलावा भारत ने अवसंरचना एवं रक्षा प्रापण के लिए भी 100 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता प्रदान की है। भारत वियतनाम द्वारा प्रयोग के लिए राष्ट्रीय निर्यात बीमा लेखा के क्रेता ऋण (बी सी – एन ई आई ए) के तहत 100 मिलियन अमरीकी डालर तक की राशि निर्धारित करने पर विचार करने के लिए भी सहमत हुआ है। भारत ने अवसंरचना परियोजनाओं के लिए वियतनाम को नई ऋण सहायता प्रदान करने की पेशकश की है।

छात्रवृत्ति भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम के तहत वियतनाम प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक बड़ा प्राप्तकर्ता है। इस समय, सामान्य सांस्कृतिक छात्रवृत्ति स्कीम (जी सी एस एस) के तहत 16 छात्रवृत्तियों, शैक्षिक विनिमय कार्यक्रम (ई ई पी) के तहत 14 छात्रवृत्तियों तथा मेकांग – गंगा सहयोग छात्रवृत्ति स्कीम (एम जी सी एस एस) के तहत 10 छात्रवृत्तियों के साथ हर साल वियतनाम को 150 आई टी ई सी स्लाटों की पेशकश की जा रही है।

एआरसी – आई सी टी : सितंबर, 2011 में हनोई में विदेश मंत्री द्वारा 2 मिलियन अमरीकी डालर से निर्मित सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी में उन्नत संसाधन केंद्र (ए आर सी – आई सी टी) का उद्घाटन किया गया। यह केंद्र उन्नत संगणन विकास केंद्र (सी डैक) द्वारा स्थापित किया गया तथा वेब डिजाइनिंग, नेटवर्क सिस्टम, जावा, जी आई एस अप्लीकेशंस एवं ई-गवर्नेंस जैसे विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों एवं सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण देता है।
भारत - आसियान सहयोग के तहत उन्नत आई टी प्रशिक्षण के लिए एक संपोषणीय आई टी अवसंरचना स्थापित करने के लिए उन्नत संगणन विकास केन्द्र, इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; तथा डाक एवं दूरसंचार प्रौद्योगिकी संस्थान (पी टी आई टी), सूचना एवं संचार मंत्रालय, वियतनाम सरकार के बीच एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह पी टी आई टी हो ची मिन्ह शहर में स्थापित किया जाएगा।

हाई परफार्मेंस कंप्यूटर का उपहार : 12 नवंबर 2013 को हनोई विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हाई परफार्मेंस कंप्यूटिंग सुविधा का उद्घाटन किया गया। 4.7 करोड़ रूपए के अनुमानित लागत से बेसिक विजुअलाइजेशन लेबोरेटरी के साथ 16 नोड क्लस्टर तथा 5 नोड ग्रिड संगणन सुविधा को भारत द्वारा वियतनाम को उपहार में दिया गया है।

कू लांग चावल अनुसंधान संस्थान 1977 में आई टी ई सी सहायता के तहत मेकांग डेल्टा में स्थापित किया गया। उपकरणों की स्थापना तथा विशेषज्ञों के प्रशिक्षण में सहायता प्रदान की गई।

आसियान रूपरेखा के अंदर वियतनाम को सहायता

वियतनाम सरकार को तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए आसियान एकीकरण पहल के लिए अपनी सहायता के अंग के रूप में भारत ने जुलाई, 2007 में दनांग में वियतनाम – भारत अंग्रेजी भाषा प्रशिक्षण केंद्र तथा मई, 2006 में हनोई में वियतनाम – भारत उद्यमशीलता विकास केंद्र स्थापित किया है। वियतनाम की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में एक नया वियतनाम – भारत अंग्रेजी भाषा प्रशिक्षण केंद्र खोलने का निर्णय लिया गया है। दोनों पक्ष हो ची मिन्ह शहर में एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने के लिए विचार करने पर भी राजी हुए हैं। आसियान – भारत सहयोग तंत्र के तहत वियतनाम में एक उपग्रह ट्रैकिंग एवं डाटा ग्रहण केंद्र तथा एक इमेजिंग सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव विचाराधीन है। यह केंद्र भारत द्वारा पूरी तरह वित्त पोषित किया जाएगा तथा इसरो कार्यान्वयन एजेंसी होगी। यह भारतीय दूर संवेदी उपग्रहों द्वारा प्रदान किए गए डाटा का उपयोग करेगा और विकास संबंधी अनेक प्रयोगों के लिए इसका उपयोग करेगा।

भारत - आसियान सहयोग के तहत उन्नत आई टी प्रशिक्षण के लिए एक संपोषणीय आई टी अवसंरचना स्थापित करने के लिए उन्नत संगणन विकास केन्द्र, इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; तथा डाक एवं दूरसंचार प्रौद्योगिकी संस्थान (पी टी आई टी), सूचना एवं संचार मंत्रालय, वियतनाम सरकार के बीच एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

सांस्कृतिक संबंध तथा जन दर जन आदान – प्रदान

वर्ष 2012 भारत और वियतनाम के बीच पूर्ण राजनयिक संबंधों की स्थापना की 40वीं वर्षगांठ थी। वर्ष 2012 भारत और आसियान के बीच साझेदारी की 20वीं वर्षगांठ भी था। दोनों पक्षों ने संस्मारक सेमिनार, व्यावसायिक कार्यक्रम, सांस्कृतिक मंडलियों द्वारा परफार्मेंस, फिल्म महोत्सवों के आयोजन, पाक कला सप्ताह एवं कला प्रदर्शनी जैसी गतिविधियों के साथ 'भारत और वियतनाम के बीच मैत्री वर्ष' के रूप में इसे मनाया। जून 2012 में दनांग में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) की सहायता से दूतावास द्वारा भारत और वियतनाम के बीच चाम वंश के सभ्यतागत संपर्कों पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। 31 दिसंबर 2012 से 3 जनवरी 2013 तक एक नौकायन प्रशिक्षण पोत ''आई एन एस सुदर्शिनी'' ने दनांग का का सद्भावना दौरा किया, पोत यात्रा के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा एक कारोबारी सेमिनार का भी आयोजन किया गया। 2014 में भारत ने हनोई में एक सांस्कृतिक केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। यह केंद्र वियतनाम में भारत की सांस्कृतिक उपस्थिति को सुदृढ़ करेगा तथा दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण साझेदारी का एक महत्वपूर्ण आयाम होगा।

चाम स्मारकों का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार : भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को वियतनाम में माई सन स्थित यूनेस्को विरासत में संरक्षण एवं जीर्णोद्धार की एक परियोजना को निष्पादित करना है। यह परियोजना भारत और वियतनाम के बीच हिंदू – चाम सभ्यता के पुराने संबंधों को उजागर करेगी। एक एम ओ यू पर विचार चल रहा है, परियोजना की अवधि 5 साल होगी।

हो ची मिन्ह शहर के युद्ध अवशेष संग्रहालय में 28 अगस्त को 'शांति एवं विकास के लिए भारत और वियतनाम' पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया जिसे दो माह तक प्रदर्शित किया गया। यह राष्ट्रपति हो ची मिन्ह की 125वीं जयंती, वियतनाम के एकीकरण की 40वीं जयंती, वियतनाम की आजादी की घोषणा की 70वीं जयंती और भारत एवं वियतनाम के बीच पूर्ण राजनयिक संबंधों की स्थापना की 43वीं जयंती मनाने के लिए था।

14 अगस्त 2015 को हो ची मिन्ह शहर के यूनियन ऑफ फ्रेंडशिप अर्गनाइजेशन के सहयोग से भारत - वियतनाम मैत्री पर एक चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रख्यात डिजाइनर श्री ली सी होवांग के सहयोग से युद्ध अवशेष संग्रहालय में 16 अक्टूबर 2015 को अओ दई-सारी (वियतनामी एवं भारतीय ड्रेस) पर एक फैशन शो का आयोजन किया गया। 21 जून 2015 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें लगभग 5000 व्यक्तियों ने भाग लिया। समाज विज्ञान तथा मानविकी विश्वविद्यालय और हो ची मिन्ह शहर के यूनियन ऑफ फ्रेंडशिप अर्गनाइजेशन के सहयोग से हिंदी दिवस मनाया गया। 12 से 23 दिसंबर 2015 के दौरान हनोई, दनांग और हो ची मिन्ह शहर में भारतीय फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया।

भारतीय समुदाय

वियतनाम में रह रहे भारतीयों की अनुमानित संख्या 2000 है, जिनमें से अधिकतर हो ची मिन्ह शहर में रहते हैं। मुख्य रूप से व्यापार एवं कारोबारी अंत:क्रियाओं को बढ़ावा देने के लिए भारतीय व्यवसाय चेंबर (इंचैम) वियतनाम में रह रहे भारतीयों का एक संगठन है।

भारतीय समुदाय जीवंत, कानून का पालन करने वाला, सुशिक्षित एवं समृद्ध है। उनमें से अधिकांश पेशेवर हैं जो भारतीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करते हैं। वे भारत के साथ मजबूत पारिवारिक, सांस्कृतिक एवं कारोबारी रिश्ता बनाए हुए हैं। द्विपक्षीय व्यापार, निवेश एवं पर्यटन में निरंतर वृद्धि से वियतनाम में भारतीय समुदाय की संख्या आने वाले वर्षों में और बढ़ने एवं समृद्ध होने की संभावना है। हो ची मिन्ह शहर में इंडियन योग एसोसिएशन और इंडियन वुमेन एसोसिएशन का गठन किया गया है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, हनोई की वेबसाइट :
http://www.indembassy.com.vn/

*****

जनवरी, 2016